

प्रेमक,

साधा स्तूडी  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

निदेशक,  
समाज कल्याण, उत्तरांचल,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-3,

देहरादून: दिनांक 20 जुलाई, 2006

विषय:- मदरसा मौलाना आजाद एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी, सिरौली कला,  
जिला- उधमसिंहनगर के छात्रावास निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-464/xvii(1)-03/06-07(41)/2006 दिनांक 28 मार्च 2006 तथा आपके पत्रांक- 1072/सक/निर्माण/2006-07 दिनांक 22 जून 2006 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तरांचल मुस्लिम एजुकेशन मिशन के अन्तर्गत मदरसा मौलाना आजाद एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी, सिरौली कला, जिला- उधमसिंहनगर में प्रस्तावित छात्रावास निर्माण हेतु पूर्व में शासनादेश संख्या-464/xvii(1)-03/06-07(41)/2006 दिनांक 28 मार्च 2006 द्वारा स्वीकृत रु0 140.00 लाख के वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन को संशोधित करते हुए कार्यदायी संस्था उत्तरांचल गेजल्ल निर्माण निगम, उधमसिंहनगर द्वारा प्रस्तुत किये गये पुनरीक्षित आगणन प्रस्ताव पर सम्यक परीक्षणोपरान्त रु0 161.00 लाख (रुपये एक करोड़ इकसठ लाख) की धनराशि पर वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्तीय वर्ष 2005-06 में स्वीकृत की गई रु0 50.00 लाख की धनराशि कार्यदायी संस्था को नियमानुसार आवश्यकतानुसार एवं सम्यक परीक्षणोपरान्त प्रदान की जायेगी।
2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
5. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त टेकअप किया जाये।

- 10- बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिषद, देहरादून।
- 11- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय परिषद, देहरादून।
- 12- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिषद, देहरादून।
- 13- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल निर्माण निगम, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(उषा शुक्ला)

अपर सचिव।

6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
7. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलिभांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जायें, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जायें।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जायें।
10. जीपीओडब्ल्यू0 फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
11. किसी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जायें तथा उसकी सूचना प्राशासनिक विभाग को भी दे एवं डिग्री कालेजों/ मेडिकल के होस्टलों का निर्माण एच0आई0सी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जायें।
12. वित्तीय स्वीकृति का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट मैनुअल ग शारान द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जायें।
13. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जायें तथा कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
14. यह धनराशि इस शर्त के साथ दी जा रही है कि धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जायें।

यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या- 484/xxvii(3)/2006 दिनांक 18 जुलाई 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।  
संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

( राधा रतूडी )  
सचिव।

संख्या- 721(1)/xvii(1)-03/06-07(41)/2006/तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-मा0 मुख्य मंत्री जी उत्तरांचल।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
3. मण्डलाध्यक्ष, कुमाऊँ, उत्तरांचल।
4. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल, देहरादून।
6. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर।
7. कोषाधिकारी, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तरांचल।
8. जिला समाज कल्याण अधिकारी, उधमसिंहनगर।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।